

चड़ी हुई कुछ बदनाम मित्रियां दिखाई गई हैं और उनका सारे संसार में प्रदर्शन किया गया है ;

(ख) क्या वे फोटो सरकार की पूर्वा-नुमति से लिये गये थे या वह सारी कार्यवाही गुप्त रखी गयी थी ;

(ग) क्या उक्त पत्रिका के विरुद्ध कुछ कार्यवाही करने के लिये भ्रमरीकी सरकार को कोई पत्र, आदि भेजा गया है ;

(घ) यदि हां, उसका क्या उत्तर मिला है ; और

(ङ) क्या उन व्यक्तियों के भी विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई है जिन्होंने ये फोटो लेने में सहायता की थी ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (बी ल० ना० मिश्र) :  
(क) "बोग" का दिसम्बर, 1964 का विशेष संस्करण सरकार के ध्यान में नहीं आया। इस ग्रंथ की प्रति प्राप्त करने का प्रयत्न किया जा रहा है और उस के मिलने पर इस बारे में जांच की जायगी।

(ख) ऐसी आज्ञा जरूरी नहीं है।

(ग) (घ) और (ङ). प्रश्न ही नहीं उठते।

#### Law Chambers for Advocates in Kerala High Court

2676. Shri A. K. Gopalan: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether the Advocates of Kerala High Court have represented for providing Law Chambers in the High Court premises;

(b) if so, the steps taken in the matter?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathl): (a) Yes, Sir.

(b) Government have decided to put off the construction of the proposed building for the Advocates Association in view of the present strain on finances.

#### Library of Kerala Advocates' Association

2677. Shri A. K. Gopalan: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government are paying any grant to the Library of the Kerala Advocates' Association;

(b) if so, how much; and

(c) whether there is any proposal to increase the grant?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathl): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

#### Acquisition of Garden Lands

2677-A. { Shri P. H. Bheel:  
Shri Ram Singh:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided to acquire the lands of the garden owners of villages Bhorgarh and Kurani;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, the steps being taken by Government to exclude the same land from the Plan prepared for acquisition?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): (a) Yes, Sir.

(b) The land in question is required for the purpose of developing Narela as a Ring town in accordance

with the provisions of the Master Plan for Delhi.

(c) In view of the reply to part (a) above, the question does not arise.

#### Foreign Boats near Andamans

**2677-B. Shrimati Savitri Nigam:** Will the Minister of Home Affairs be pleased to state the number of foreign boats captured around the Andamans sea while fishing in the Indian territorial waters during the last one year?

**The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi):** Altogether 10 foreign fishing vessels were captured around the Andaman and Nicobar Islands in the Indian Territorial Waters during the last one year.

11.20 hrs.

#### CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED SEIZURE OF INDIAN CONSULATE IN SUMATRA AND PROPERTY OF INDIANS IN JAVA AND THE CONFISCATION OF PROPERTY OF INDIANS IN INDONESIA

**श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) :** अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ। इसके बारे में नोटिस हमने 16 तारीख को दिया था, कल इसी के सम्बन्ध में एक उत्तर राज्य सभा में दे दिया गया है। इस प्रकार के घनेकों नोटिस होने हैं जिनका उत्तर पहले बड़ा दे दिया जाता है। बहुत से महत्वपूर्ण वस्तु भी होते हैं जो कि पहले वहाँ दे दिये जाते हैं और बाद में यहाँ दिये जाते हैं। मैं चाहता हूँ कि इस तरफ प्राय ध्यान दें।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं इसकी तहकीकात करूँगा।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** यह प्रनुचित है।

मैं प्रविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की श्रौर वैदेशिक-कार्य मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ श्रौर प्रार्थना करता हूँ कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

“सुमात्रा में भारतीय वाणिज्य दूतावास श्रौर जावा में भारतीयों की सम्पत्ति पर कब्जा करने तथा इंडोनेशिया में भारतीयों की सम्पत्ति के जब्त किये जाने के समाचार”।

**वैदेशिक कार्य मंत्रालय उपमंत्री (श्री विनेश सिंह) :** भारत सरकार को यह जानकर बड़ा दुख हुआ है कि नार्थ सुमात्रा यूथ फ्रंट ने 13 सितम्बर, 1965 को सबेरे मैदान में भारतीय कौसलावास के सामने भारी प्रदर्शन किया। कौसल के विरोध के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने कौसलावास की इमारत से भारत का राष्ट्रीय ध्वज नीचे उतार दिया श्रौर उसकी जगह इण्डोनेशिया का राष्ट्रीय झण्डा लगा दिया। इन प्रदर्शनकारियों ने कौसलावास से भारत का राष्ट्र चिह्न तथा नाम पत्रिका भी हटा दी, श्रौर उसे ले गये; व किनाबों की दो छालमारियों को भी ले गये त्रिनमें साइबेरी की किनाबों थी। ये लोग भारत के राष्ट्रपति का चित्र भी ले जाना चाहते थे परन्तु भारत के कौसल ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया।

हमारे कौसल ने पहले ही उम्मीद सुमात्रा के गवर्नर को लिखा था कि वे